Hindi Murli Quiz 14-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	योग में बिल्कुल रहते नहीं तो	1	ट्रायल करके देखो फिर अनुभव सुनाओ।
B	जो बच्चे ज्ञानी तू आत्मा के साथ साथ योगी नहीं बनते हैं	2	हम ज्ञानी तू आत्मा हैं।
C	बच्चे भाषण अच्छा करते हैं तो समझते हैं	3	उनमें देह अभिमान का अंश जरूर होगा।
D	योग में तो बहुत बच्चे फेल हैं।	4	विकर्म भी विनाश नहीं होते हैं, धारणा नहीं होती है।
E	बाबा खुद बतलाते हैं भोजन खाते समय याद में रहता हूँ, फिर भूल जाता हूँ।	5	स्नान करता हूँ तो भी बाबा को याद करता हूँ।
F	योग में बहुत मेहनत है।	6	समझते हैं हम 100 प्रतिशत हैं। परन्तु बाबा कहते 2 प्रतिशत हैं।

Q.2) **यह बुद्धि में याद रहे तो भी तुम अच्छी रीति स्थिर रहेंगे। क्या ?**

A. बाबा हमें विश्व का मालिक बनाते हैं |
B. ड्रामा चल रहा है सेकण्ड बाई सेकण्ड।
C. हम भगवान के बच्चे हैं |

Q.3) **छोटी आत्मा में इतना सारा पार्ट भरा हुआ है, इनको ही____कहा जाता है।**

A. कुदरत
B. बनी-बनाई
C. पार्ट
D. ड्रामा

Q.4) **यह लक्ष्मी नारायण ___ लिये हुए हैं। फिर हैं नम्बरवार। बहुत बड़ा इम्तहान है ना। ____ की ही माला बनी हुई है।**

A. पद
B. स्कॉलरशिप
C. राजाई
D. इनमें से कोई भी सही नहीं है |

Q.5) **ब्राह्मण होकर और बाप की रूहानी सेवा न करे तो क्या काम का।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.6) **ऐसे ऐसे भी तुम अन्तर्मुखी हो अपने से बातें करते रहो तो तुमको बहुत खुशी हो कि बाप आकर ऐसी बातें सुनाते हैं कि**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. ड्रामा में एक एक मनुष्य का, एक एक चीज़ का पार्ट नूँधा हुआ है।
B. ईश्वर कहते हैं हमारा भी इसमें पार्ट है।
C. इनको बेअन्त भी नहीं कहेंगे। अन्त तो पाया है परन्तु यह है अनादि।
D. आत्मा कब विनाश नहीं होगी।
E. कितनी चीजें हैं। इनको कुदरत कहें! ईश्वर की कुदरत भी नहीं कह सकते।

Q.7) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	मनुष्य ब्रह्मा को देख कितना मूँझते हैं क्योंकि	1	और चित्रों तरफ बढ़ना ही नहीं चाहिए।
B	कलियुग में है भक्ति मार्ग	2	बाप की पहचान नहीं है।
C	जो संगमयुग पर नहीं	3	मेरी निंदा पूरी होने का समय होता है तब मैं आता हूँ।
D	उस तरफ तमोप्रधानता बढ़ती जाती है	4	संगम पर है ज्ञान मार्ग।

E	बाप के निश्चय बिगर	5	वह दिन प्रतिदिन तमोप्रधान बनते ही जाते हैं।
F	बाप कहते हैं जब दुर्गति अर्थात्	6	इस तरफ तुम्हारा संगमयुग पूरा होता जा रहा है।

Q.8) सतयुग में तुम विश्व के मालिक थे, सद्गति में थे फिर दुर्गति किसने की? (रावण ने) कब शुरू हुई?

A. त्रेता से
B. कलियुग से
C. द्वापर से

Q.9) समझो दर्जी कपड़ा सिलाई करते हैं तो देखना चाहिए ....

A. ठीक से सिला के नहीं |
B. किसी से जास्ती पैसे तो नहीं मांगे |
C. बाबा की याद में रहता हूँ।

Q.10) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	याद में रहने से ही कल्याण होगा।	1	उनकी चलन बड़ी रॉयल शानदार होगी, बहुत थोड़ा बोलेंगे।
B	याद से लॅव होगा	2	हड्डियाँ भी चली जाएं। ऐसे ऐसे कोई हैं भी।
C	जो पक्के योगी हैं	3	तब ही श्रीमत पर चल सकेंगे।
D	यज्ञ सर्विस में भी रुचि रहेगी। यज्ञ सर्विस में	4	बाकी जास्ती समझाने से कल्याण नहीं होगा।
E	बाबा कहते याद में जास्ती रहो	5	तुम यहाँ आये ही हो यह लक्ष्मी नारायण बनने, इसमें मेहनत है।
F	प्रजा तो ढेर बननी है।	6	तो बाप से लॅव होगा और खुशी में रहेंगे।

Q.11) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	भल अच्छा अच्छा कहते हैं	1	उस पर पूरा निश्चय न बिठाने से बाकी जो कुछ समझाते रहते हैं, वह कोई की बुद्धि में बैठना मुश्किल है।
B	मूल बात जो बाप के पहचान की है	2	उनके बच्चे भी ज्योति स्वरूप हैं।
C	बाप के महावाक्य हैं	3	अन्तर्मुखता का।
D	मुख्य एक पुरुषार्थ स्कॉलरशिप लेने का अधिकारी बना देता है	4	जिस कारण ज्योति बुझ गई है।
E	परम आत्मा है ज्योति स्वरूप तो	5	परन्तु बाप की पहचान नहीं।
F	तुम बच्चों की आत्मा पतित बनी है	6	मुझे याद करो, मैं ही पतित पावन हूँ।